पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने उच्च न्यायालय में सांस्कृतिक संध्या का उद्घाटन किया

लखनऊः 14 अप्रैल, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद के 150 वर्ष पूरे होने पर लखनऊ पीठ के नये भवन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या का दीप जलाकर उद्घाटन किया। सांस्कृतिक संध्या का आयोजन उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद द्वारा किया गया था।

राज्यपाल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कलाकारों का अभिनंदन करते हुए कहा कि वे प्रदेश के राज्यपाल के साथ-साथ संस्था उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद के अध्यक्ष भी हैं। सांस्कृतिक संध्या में पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा और बंगाल के कलाकार अपनी प्रस्तुति देने आये हैं। उन्होंने कलाकारों से कहा कि इतने प्रांतों के कलाकारों को एक साथ देखकर लघु भारत का एहसास हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक केन्द्र के कलाकार उच्च न्यायालय में ऐसी बेहतरीन कला का प्रदर्शन करें कि उपस्थित न्यायाधीश गण यह निर्णय देने को मजबूर हो जाये कि बहुत सुंदर आयोजन देखने का अवसर मिला।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति डॉ0 डी0वाई0 चन्द्रचूड़ ने कहा कि अवध की संस्कृति सराहनीय है। उन्होंने इस अवसर पर अपने सहयोगियों और वकीलों की कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशंसा की।

कार्यक्रम का आगाज पंजाब से पधारे श्री मानक अली ने सूफी गायन से किया। उन्होंने 'तुझे कौन जानता था मेरी दोस्ती के पहले, तेरा हुस्न कुछ नहीं था मेरी आशिकी से पहले' तथा भजन 'लकड़ी जली कोयला हुई कोयला हुआ राख, मैं पापन ऐसी जली कोयला भयी न राख' प्रस्तुत करके लोगों का दिल जीता तथा मध्य प्रदेश से पधारे श्री अरविन्द यादव ने रामनवमी के उपलक्ष्य में बधाई लोकनृत्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन उत्तर मध्य सांस्कृतिक केन्द्र के निदेशक श्री गौरव बंसल ने किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (153/29)